DAY —— 02 SEAT NUMBER | | | | | | |

2024 | II | 22 | 1100 | **J-802** | (H)

HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (15 Pages) Max. Marks : 80

कृतिपत्रिका

कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :

(१) सूचना के अनुसार गद्‌य, पद्‌य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।

(३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।

(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं हैं।

Previous Pathshala

विभाग - १. गद्‌य (अंक-२०)

कृति १ (अ) निम्नलिखित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

बड़े प्रयत्न से बनवाई रजाई, कोट जैसी नित्य व्यवहार की वस्तुएँ भी जब दूसरे ही दिन किसी अन्य का कष्ट दूर करने के लिए अंतर्धान हो गईं तब अर्थ के संबंध में क्या कहा जावे, जो साधन मात्र है। वह संध्या भी मेरी स्मृति में विशेष महत्त्व रखती है जब श्रद्धेय मैथिलीशरण जी निराला जी का आतिथ्य ग्रहण करने गए।

Previous Pathshala

बगल में गुप्त जी के बिछौने का बंडल दबाए, दियासलाई के क्षण प्रकाश, क्षीण अंधकार में तंग सीढ़ियों का मार्ग दिखाते हुए निराला जी हमें उस कक्ष में ले गए जो उनकी कठोर साहित्य साधना का मूक साक्षी रहा है।

आले पर कपड़े की आधी जली बत्ती से भरा पर तेल से खाली मिट्टी का दीया मानो अपने नाम की सार्थकता के लिए जल उठने का प्रयास कर रहा था।

वह आलोकरहित, सुख-सुविधा शून्य घर, गृहस्वामी के विशाल आकार और उससे भी विशालतर आत्मीयता से भरा हुआ था। अपने संबंध में बेसुध निराला जी अपने अतिथि की सुविधा के लिए सतर्क प्रहरी हैं। अतिथि की सुविधा का विचार कर वे नया घड़ा खरीदकर गंगाजल ले आए और धोती-चादर जो कुछ घर में मिल सका; सब तख्त पर बिछाकर उन्हें प्रतिष्ठित किया।

तारों की छाया में उन दोनों मर्यादावादी और विद्रोही महाकवियों ने क्या कहा-सुना, यह मुझे ज्ञात नहीं पर सवेरे गुप्त जी को ट्रेन में बैठाकर वे मुझे उनके सुख शयन का समाचार देना न भूले।

ऐसे अवसरों की कमी नहीं जब वे अकस्मात् पहुँचकर कहने लगे-मेरे इक्के पर कुछ लकड़ियाँ, थोड़ा घी आदि रखवा दो। अतिथि आए हैं, घर में सामान नहीं है।

Previous Pathshala

(१) संजाल पूर्ण कीजिए: (२)

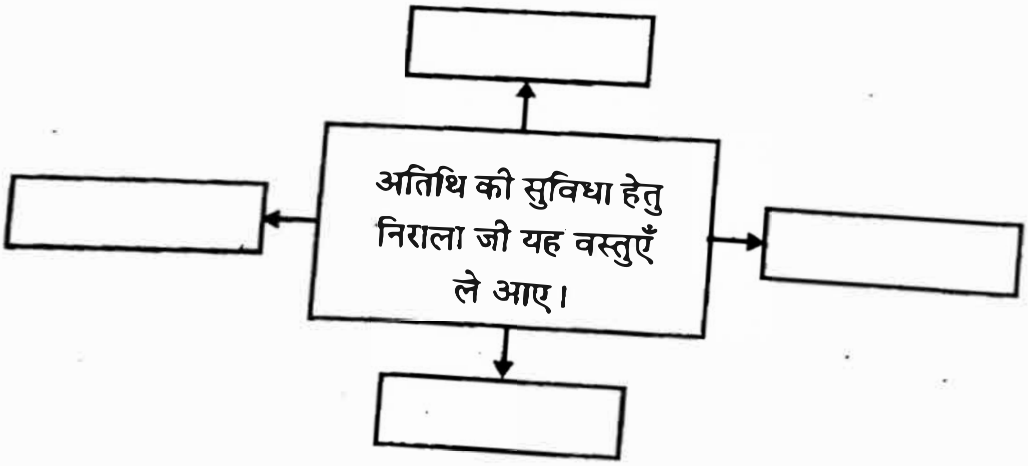

Previous Pathshala

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) मेहमान → ______

(२) प्रयास → ______

(३) शाम → ______

(४) दीपक → ______

(३) 'आतिथ्य भाव' हमारे संस्कार हैं,' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

सुधारक होता है करुणाशील और उसका सत्य सरल विश्वासी। वह पहले चौंकता है, फिर कोमल पड़ जाता है और तब उसका वेग बन जाता है शांत और वातावरण में छा जाती है सुकुमारता।

पाप अभी तक सुधारक और सत्य के जो स्रोत पढ़ता जा रहा था, उनका करता है यूँ उपसंहार "सुधारक महान है, वह लोकोत्तर है, मानव नहीं, वह तो भगवान है, तीर्थंकर है, अवतार है, पैगंबर है, संत है। उसकी वाणी में जो सत्य है, वह स्वर्ग का अमृत है। वह हमारा वंदनीय है, स्मरणीय है, पर आदर्श को कब, कहाँ, कौन पा सकता है? और इसके बाद उसका नारा हो जाता है, "महाप्रभु सुधारक वंदनीय है, उसका सत्य महान है, वह लोकोत्तर है।"

यह नारा ऊँचा उठता रहता है, अधिक-से-अधिक दूर तक उसकी गूँज फैलती रहती है, लोग उसमें शामिल होते रहते हैं। पर अब उसका ध्यान सुधारक में नहीं; उसकी लोकोत्तरता में समाया रहता है, सुधारक के सत्य में नहीं, उसके सूक्ष्म-से-सूक्ष्म अर्थों और फलितार्थों के करने में जुटा रहता है।

अब सुधारक के बनने लगते हैं स्मारक और मंदिर और सत्य के ग्रंथ और भाष्य। बस यहीं सुधारक और उसके सत्य की पराजय पूरी तरह हो जाती है।

पाप का यह ब्रह्मास्त्र अतीत में अजेय रहा है और वर्तमान में भी अजेय है। कौन कह सकता है कि भविष्य में कभी कोई इसकी अजेयता को खंडित कर सकेगा या नहीं?

Previous Pathshala

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२

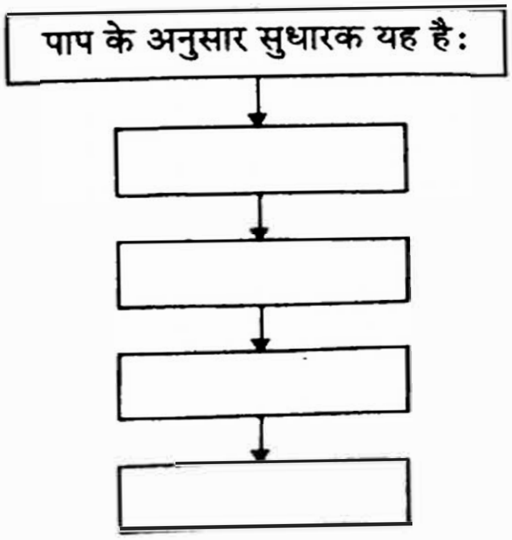

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२

(१) पुण्य – ☐

(२) विष – ☐

(३) असत्य – ☐

(४) जय – ☐

(३) किसी एक समाज सुधारक के बारे में अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): (६

(१) 'बैजू बावरा संगीत का सच्चा पुजारी है', इस विचार को स्पष्ट कीजिए।

(२) 'सुनो किशोरी' पाठ के आधार पर रूढ़ि-परंपरा तथा मूल्यों के बारे में लेखिका के विचार स्पष्ट कीजिए।

(३) ओज़ोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए।

Previous Pathshala

Previous Pathshala

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो): (२)

(१) सुदर्शन ने इस लेखक की लेखन परंपरा को आगे बढ़ाया है।

(२) पाठ्यपुस्तक में से आशारानी व्होरा जी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(३) लेख विधा की विशेषताएँ लिखिए।

(४) 'कोखजाया' कहानी के हिंदी अनुवादक का नाम लिखिए।

विभाग - २. पद्य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

जलि मोह घसि मसि करि,
मति कागद करि सारु,
भाइ कलम करि चितु, लेखारि,
गुरु पुछि लिखु बीचारि,
लिखु नाम सालाह लिखु,
लिखु अंत न पारावार।।
मन रे अहिनिसि हरि गुण सारि।
जिन खिनु पलु नाम न बिसरे ते जन विरले संसारि।
जोति-जोति मिलाइये, सुरती-सुरति संजोगु।
हिंसा हउमें गतु गए नाहीं सहसा सोगु।
गुरुमुख जिसु हार मनि बसे तिसु मेले गुरु संजोग।।

(१) सहसंबंध लिखिए : (२)

(१) मोह को जलाकर और घिसकर बनाइए	विरले
(२) श्रेष्ठ कागज बनाना है, इससे	प्रभु के दर्शन
(३) संसार में हरि का नाम न भूलने वाले	स्याही
(४) जिसने प्रभु के नाम की माला जपी उसे	मति

Previous Pathshala

(२) निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग हटाकर पद्यांश में आए हुए मूल शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) सुमति ______________

(२) सदगुण ______________

(३) निर्जन ______________

(४) अहिंसा ______________

(३) ''गुरु का महत्त्व'' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

हमारी साँसों के लिए शुद्ध हवा
बीमारी के लिए दवा
शवयात्रा, शगुन या बारात
सभी के लिए देता है पुष्पों की सौगात
आदिकाल से आज तक
सुबह-शाम, दिन-रात
हमेशा देता आया है मनुष्य का साथ
कवि को मिला काग़ज़, कलम, स्याही
वैद, हकीम को दवाई
शासन या प्रशासन
सभी के बैठने के लिए
कुर्सी, मेज, आसन
जो हम उपयोग नहीं करे
वृक्ष के पास ऐसी एक भी नहीं चीज है।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

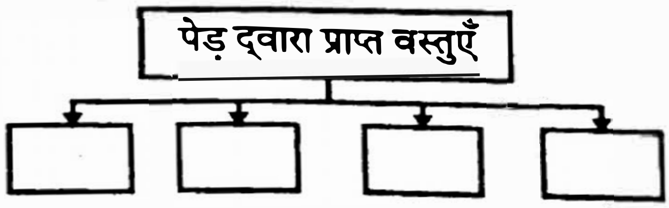

Previous Pathshala

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (२)

(१) बीमारियाँ ____________

(२) दवाई ____________

(३) कुर्सियाँ ____________

(४) चीज़ ____________

(३) "पेड़ हमारा दाता है" इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'सच हम नहीं सच तुम नहीं' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ (१)

(३) पसंद आने के कारण (२)

(४) कविता की केंद्रीय कल्पना (२)

अथवा

"बसंत ऋतु जीवन के सौंदर्य का अनुभव कराती है," इस कथन के आधार पर 'सुनु रे सखिया,' कविता का रसास्वादन कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का केवल एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो) : (२)

(१) चतुष्पदी के लक्षण लिखिए -

(२) पाठ्यपुस्तक में से 'वृंद जी' की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए -

(३) ग़ज़ल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है-

(४) लोकगीतों के दो प्रकार लिखिए-

Previous Pathshala

विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

घाट से आते हुए
कदंब के नीचे खड़े कनु को
ध्यानमग्न देवता समझ, प्रणाम करने
जिस राह से तू लौटती थी बावरी
आज उस राह से न लौट
उजड़े हुए कुंज
रौंदी हुई लताएँ
आकाश पर छाई हुई धूल
क्या तुझे यह नहीं बता रही
कि आज उस राह से
कृष्ण की अठारह अक्षौहिणी सेनाएँ
युद्ध में भाग लेने जा रही हैं !
आज उस पथ से अलग हटकर खड़ी हो बावरी !
लताकुंज की ओट
छिपाले अपने आहत प्यार को।

(१) कारण लिखिए :

(१) राधा को उस राह से ना लौटने के लिए कहा – ______

(२) राधा को पथ से हटकर खड़े होने को कहा – ______

(२) उचित मिलान कीजिए :

(१)	ध्यानमग्न	राधा
(२)	बावरी	प्यार
(३)	अक्षौहिणी	देवता
(४)	आहत	सेनाएँ

0802

Previous Pathshala

(२) "वर्तमान युग में युद्ध नहीं शांति चाहिए" इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) "कवि ने राधा के माध्यम से वर्तमान मनुष्य की पीड़ा को व्यक्त किया है," इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(२) "राधा ने चरम तन्मयता के क्षणों में डूबकर जीवन की सार्थकता पाई है," इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

विभाग – ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

https://www.maharashtrastudy.com

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

(१) "सेवा तीर्थयात्रा से बढ़कर है," इस उक्ति का पल्लवन कीजिए।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

"सूत्र संचालन के मुख्यत: निम्न प्रकार हैं– शासकीय कार्यक्रम का सूत्र संचालन, दूरदर्शन हेतु सूत्र संचालन, रेडियो हेतु सूत्र संचालन, राजनीतिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सूत्र संचालन।"

- शासकीय एवं राजनीतिक कार्यक्रम का सूत्र संचालन :

शासकीय एवं राजनीतिक समारोह के सूत्र संचालन में प्रोटोकॉल का बहुत ध्यान रखना पड़ता है। पदों के अनुसार नामों की सूची बनानी पड़ती है। किसका-किसके हाथों सत्कार करना है; इसकी योजना बनानी पड़ती है। इस प्रकार का सूत्र संचालन करते समय अति अलंकारिक भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए।

Previous Pathshala

- दूरदर्शन तथा रेडियो कार्यक्रम का सूत्र संचालन :

दूरदर्शन अथवा रेडियो पर प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रम/समारोह की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम की संहिता लिखकर तैयार करनी चाहिए। उसके पश्चात् कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहिए और धीरे-धीरे उसका विकास करते जाना चाहिए। भाषा का प्रयोग कार्यक्रम और प्रसंगानुसार किया जाना चाहिए। रोचकता और विभिन्न संदर्भों का समावेश कार्यक्रम में चार चाँद लगा देते हैं।

स्मरण रहे-सूत्र संचालक मंच और श्रोताओं के बीच सेतु का कार्य करता है। सूत्र संचालन करते समय रोचकता, रंजकता, विविध प्रसंगों का उल्लेख करना आवश्यक होता है। कार्यक्रम/समारोह में निखार लाना सूत्र संचालक का महत्त्वपूर्ण कार्य होता है। कार्यक्रम के अनुसार सूत्र संचालक को अपनी भाषा और शैली में परिवर्तन करना चाहिए; जैसे गीतों अथवा मुशायरे का कार्यक्रम हो तो भावपूर्ण एवं सरल भाषा का प्रयोग अपेक्षित है तो व्याख्यान अथवा वैचारिक कार्यक्रम में संदर्भ के साथ सटीक शब्दों का प्रयोग आवश्यक है। सूत्र संचालन करते समय उसके सामने सुनने वाले कौन हैं; इसका भी ध्यान रखना चाहिए।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

सूत्र संचालन के मुख्य प्रकार :

(१) [ ]

(२) [ ]

(३) [ ]

(४) [ ]

(२) गद्यांश में से 'इक' प्रत्यय लगे हुए शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) ____________

(२) ____________

(३) ____________

(४) ____________

Previous Pathshala

(३) "किसी भी कार्यक्रम के लिए सूत्र संचालन आवश्यक होता है,"
इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) फीचर लेखन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डालिए।

(२) प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों की वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि से जानकारी लिखिए।

अथवा

सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(१) फीचर लेखन में ----- होनी चाहिए। (१)

(१) भाव प्रधानता
(२) विषय प्रधानता
(३) तर्क प्रधानता
(४) समय प्रधानता

(२) लेखक आनंद सिंह जी ने ----- तक रेडियो उद्‌घोषक के रूप में सेवाएँ प्रदान कीं। (१)

(१) २७ वर्ष (२) २५ वर्ष
(३) २९ वर्ष (४) १७ वर्ष

(३) जॉन बर्गर ने ब्लॉग के लिए ----- शब्द का प्रयोग किया था। (१)

(१) Website
(२) Weblog
(३) Webseries
(४) Web-portal

(४) समुद्री जीवों के शरीर से उत्पन्न होने वाला प्रकाश ----- के कारण उत्पन्न होता है। (१)

(१) ऑक्सीकरण (२) कार्बनीकरण
(३) द्रवीकरण (४) रसायनीकरण

Previous Pathshala

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति के बाद शनि ग्रह की कक्षा है। शनि सौर मंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है। यह हमारी पृथ्वी से करीब ७५० गुना बड़ा है। शनि के गोले का व्यास ११६ हजार किलोमीटर है; अर्थात्, पृथ्वी के व्यास से करीब नौ गुना अधिक।

सूर्य से शनि ग्रह की औसत दूरी १४३ करोड़ किलोमीटर है। यह ग्रह प्रति सेकंड ९.६ किलोमीटर की औसत गति से करीब ३० वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है। अतः ९० साल का कोई बूढ़ा आदमी यदि शनि ग्रह पर पहुँचेगा, तो उस ग्रह के अनुसार उसकी उम्र होगी सिर्फ तीन साल!

हमारी पृथ्वी सूर्य से करीब १५ करोड़ किलोमीटर दूर है। तुलना में शनि ग्रह दस गुना अधिक दूर है। इसे दूरबीन के बिना कोरी आँखों से भी आकाश में पहचाना जा सकता है। पुराने जमाने के लोगों ने इस पीले चमकीले ग्रह को पहचान लिया था। प्राचीन काल के ज्योतिषियों को सूर्य, चंद्र और काल्पनिक राहु-केतु के अलावा जिन पाँच ग्रहों का ज्ञान था उनमें शनि सबसे अधिक दूर था।

शनि को 'शनैश्वर' भी कहते हैं। आकाश के गोल पर यह ग्रह बहुत धीमी गति से चलता दिखाई देता है, इसीलिए प्राचीन काल के लोगों ने इसे शनैःचर नाम दिया था। 'शनैः चर का अर्थ होता है – धीमी गति से चलने वाला।'

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

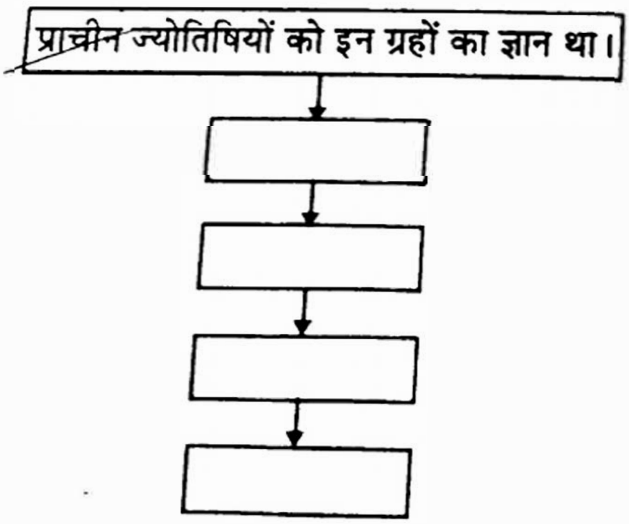

Previous Pathshala

(२) परिच्छेद में आए हुए शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए : (२)

(१) शनि - ______________

(२) दूरबीन - ______________

(३) पृथ्वी - ______________

(४) आकाश - ______________

(३) 'अंतरिक्ष यात्रा' इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (४)

(१) Ambassador

(२) Bond

(३) Balance

(४) Paid Up

(५) Speed

(६) Meteorology

(७) Output

(८) Integrated Circuit

विभाग - ५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो): (२)

(१) मैं पढ़-लिखकर नौकरी करने लगा।

(पूर्ण भूतकाल)

(२) उनका जमा किया हुआ रुपया समाप्त हो गया।

(सामान्य भविष्यकाल)

Previous Pathshala

(३) हमारे भूमंडल में हवा और पानी बुरी तरह प्रदूषित हैं।
(अपूर्ण वर्तमानकाल)

(४) बैजु हाथ बाँधकर खड़ा था।
(सामान्य भूतकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) उधो, मेरा हृदयतल था एक उद्यान न्यारा।
शोभा देतीं अमित उसमें कल्पना-क्यारियाँ भी।।

(२) चरण-कमल-सम-कोमल।

(३) सोहत ओढ़े पीत पट श्याम सलोने गात।
मनों नीलमनि शैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात।।

(४) पत्रा ही तिथि पाइयें, वाँ घर के चहुँ पास।
नितप्रति पून्योई रहैयो, आनन-ओप उजास।।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) कहा-कैकयी ने सक्रोध
दूर हट! दूर हट! निर्बोध!
द्विजिव्हे रस में विष मत घोल।

(२) सिर पर बैठो काग, आँखि दोऊ खात
खींचहि जींभहि सियार अतिहि आनंद उर धारत।
गिद्ध जाँघ के माँस खोदि-खोदि खात, उचारत हैं।

(३) राम के रूप निहारति जानकी, कंकन के नग की परछाही,
याते सबै सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाही।

(४) माटी कहै कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोहे।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूँगी तोहे।।

Previous Pathshala

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो):

(१) जान बख्शना।

(२) फलीभूत होना।

(३) शक्ल पर बारह बजना।

(४) हवा लगना।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो): (२)

(१) उन्हें व्यवस्थित करने की सभी प्रयास निष्फल रहे हैं।

(२) लोगों ने देखा आर हैरान रह गया।

(३) तापमान बडने से ध्रुवों पर जमी हुई विशाल बर्फ राशी पिघलने के समाचार भी आ रहे हैं।

(४) दिलीप उच्च शिक्षा के लिए लंदन चली गया।

◆◆◆

Previous Pathshala